

तारीख हुक्म

9/4/18

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.  
 अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
 कोरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
 पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
 दिनांक-19/6/18 को पेश हो

04/09/18

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.  
 अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
 कोरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
 पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
 दिनांक-22/11/18 को पेश हो

25/04/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.  
 अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
 कोरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
 पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
 दिनांक-08/08/19 को पेश हो

02/08/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.  
 अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
 कोरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
 पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
 दिनांक-17/10/19 को पेश हो

17/10/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.  
 अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
 कोरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
 पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
 दिनांक-7/12/19 को पेश हो

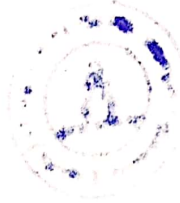
17/12/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उच्चपक्ष उप.  
 अग्रणी सं. 01 की ओर से पूर्व में प्रस्तुत  
 अवाव प्रारूप दिनांकित 19/02/18 को अंकित  
 पर लिखा जाता है। प्रमाण में बहस वकूलाग  
 उच्चपक्ष सुनी गयी। दौराने बहस वकील  
 अग्रणी ने अपने प्रारूप में अंकित तथ्यों  
 को दोहराते हुए अग्रणीजण को तदोपराते  
 फौजल वाद अग्रणी निषेधज्ञा से बाबंद



फरमाया जाने का निवेदन किया। वकील प्रार्थी  
की बहस के तवाब में वकील अउर्ची सं.  
। ने अपने जवाब प्रां पत्र में अंकित तथ्यों  
को दोहराते हुए प्रां पत्र सी. आर. श्वारिफ  
फरमाने का निवेदन किया।

पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध  
राजस्व रिजार्ड का अवलोकन किया गया एवं  
बहस व कुलाय उभयपक्ष पर सगौर मनन किया  
गया। चूंकि प्रार्थीगण विवादित आराती के रिजार्ड  
जवाबदाar हैं। ऐसी स्थिति में अस्थायी निषेधाज्ञा  
जारी किये जाने के तमाम बिन्दु यथा पृथक्  
दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन एवं अप्रतीति  
क्षति प्रार्थीगण के पक्ष में पाये जाने पर अउर्ची-  
गण को तदोरोराने फैल वाद विवादाग्रस्त आराती  
के सम्बन्ध में जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद  
किया जाता है कि वे विवादित आराती के  
उत्तरी तरफ लगी सौंरुकी वर्ष पुरानी खात  
डोल को नष्ट नहीं करे, ना ही अन्य मिनी  
से कखाये, ना ही डोल तोड़कर प्रार्थीगण के  
कबरे काब्रत में कोई मजाहमत पैदा करे, ना  
ही अन्य मिनी से कखाये तथा प्रार्थीगण के  
शांतिपूर्ण कबरे काब्रत एवं उपग्रोण-उपग्रोण  
में मिनी की प्रकार की मजाहमत पैदा नहीं  
करे -



तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

न  
आ  
हुक्म

करे एवं ना ही लेफ्टवल की, ना ही लेना  
कोई कृप्य करे या करावे किन्तु प्राप्तिगण  
के विधिक एक डकूक पर कोई विपरीत  
असर पडता है पत्रावली केंद्रल इकुमार  
दोकर नम्बर से कत हो तथा वाद तकनील  
दाखिल दफतर हो। यह निर्णय आन दिनांक  
17/12/19 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में  
पुनाया गया।



(रजनीत सिंह)  
सहायक कलक्टर  
(पब्लिक ट्रस्ट) बण्डेला